

पुनर्निर्वाचन पुं. (तत्.) 1. किसी संस्था, समिति आदि के वर्तमान सदस्य या पदाधिकारी को दुबारा चुनना 2. किसी कारणवश रद्द हुए निर्वाचन का दुबारा निर्वाचन होना।

पुनर्न्यायनिर्णयन पुं. (तत्.) विधि. अदालत द्वारा दुबारा निर्णय देना।

पुनर्बलन पुं. (तत्.) 1. सेना आदि का बलवर्धन करना 2. दृढ़ीकरण।

पुनर्भाव पुं. (तत्.) फिर से जन्म लेना।

पुनर्भू स्त्री. (तत्.) पुनर्विवाहिता विधवा स्त्री।

पुनर्मिलाप पुं. (तत्.) दुबारा से मित्रता स्थापित करना।

पुनर्मुद्रण पुं. (तत्.) एक बार प्रकाशित सामग्री को फिर से छापना।

पुनर्मुद्रांकन पुं. (तत्.) पुरा. 1. किसी सिक्के पर दुबारा मोहर लगाना 2. किसी विजेता शासक द्वारा विजित शासक के सिक्कों पर दुबारा मोहर लगाना।

पुनर्मुद्रित वि. (तत्.) जिसे दुबारा मुद्रित किया गया हो।

पुनर्मूल्यन पुं. (तत्.) दुबारा मूल्य आँकना।

पुनर्लेखक पुं. (तत्.) पत्र. किसी समाचार पत्र या पत्रिका में संवाददाता द्वारा प्राप्त सामग्री को संशोधित, परिवर्धित रूप में छापने हेतु फिर से लिखने वाला, लेखक।

पुनर्वसु पुं. (तत्.) 1. एक नक्षत्र 2. शिव 3. विष्णु।

पुनर्वाचन पुं. (तत्.) किसी प्रस्ताव, निर्णय आदि का विधानसभा, लोकसभा इत्यादि में दुबारा वाचन करना, पढ़ना।

पुनर्वार क्रि.वि. (तद्.) 1. फिर से एक बार जैसे-किसी ग्रंथ या पुस्तक आदि को पुनर्वार संशोधित कर प्रकाशित करना।

पुनर्वास पुं. (तत्.) प्राकृतिक या सामरिक कारणों से विस्थापित लोगों को पुनः स्थापित करना।

पुनर्वासन पुं. (तद्.) विस्थापित लोगों को फिर से बसाए जाने का कार्य।

पुनर्विक्रय पुं. (तत्.) क्रय की गई वस्तु को बेचना।

पुनर्विचार पुं. (तद्.) 1. विधि. मुकदमे आदि पर फिर से विचार किया जाना या फिर से विचार करने का निवेदन 2. किसी लिए गए निर्णय पर फिर से विचार।

पुनर्विनियोग पुं. (तत्.) दुबारा किया गया विनियोग।

पुनर्विन्यास पुं. (तत्.) दुबारा लगाया गया क्रम/विन्यास।

पुनर्विभाजन पुं. (तत्.) दुबारा विभाजन करना।

पुनर्विलोकन पुं. (तत्.) 1. मुकदमे आदि पर पुनर्विचार करना 2. पुस्तक आदि की समीक्षा करना।

पुनर्विवाह पुं. (तत्.) दुबारा विवाह करना।

पुनर्विवाहित वि. (तत्.) जिसने फिर से विवाह किया हो।

पुनश्च अव्य. (तत्.) 1. पुनः, दुबारा 2. इसके बाद।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पुं. (तत्.) पहले अध्ययन किए गए ग्रंथों/पुस्तकों या विषयों आदि का दुबारा अध्ययन करना।

पुनश्चर्वण पुं. (तत्.) 1. पागुर करना, गाय आदि पशुओं द्वारा पहले चबाए गए घास आदि का फिर से चबाना।

पुनि क्रि.वि. पुं. (तद्.) पुनः, फिर।

पुनिम स्त्री. (तद्.) पूर्णिमा, पूरनमासी।

पुनी क्रि.वि. (तद्.) फिर, पुन, फिर भी पुं. (तद्.) 1. पुनीत कार्य, पवित्र काम 2. पुण्यात्मा व्यक्ति।

पुनीत वि. (तत्.) 1. पवित्र 2. एक सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 15 मात्राएँ होती हैं अंत में तगण तथा आदि में समकल के बाद विषम कल होता है।